

- कोडाईकनाल सौर वेधशाला (KSO):** डाक विभाग को कोडाईकनाल सौर वेधशाला (केएसओ) के 125वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक स्मारक डाक टिकट जारी करने पर गर्व है।
 - KSO के बारे में:** यह भारत के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित वैज्ञानिक संस्थानों में से एक है, जो सौर अनुसंधान के लिए समर्पित है।
 - यह तमिलनाडु के कोडाईकनाल में पालनी पहाड़ियों के दक्षिणी सिरे पर स्थित है।
 - स्थापना:** 1899 में, भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (Indian Institute of Astrophysics) द्वारा।
 - इसे सौर गतिविधियों और भारतीय मानसून के बीच संबंधों का अध्ययन करने के लिए स्थापित किया गया।
 - 1875-1877 के महान अकाल के कारण, जिसने भारत और अन्य देशों में भयंकर अकाल और मौतों को जन्म दिया।
 - अकाल आयोग ने व्यवस्थित सौर निगरानी के लिए एक सौर वेधशाला स्थापित करने का सुझाव दिया।
 - स्थल चयन:** कोडाईकनाल को इसके स्वच्छ आसमान, कम आर्द्रता और न्यूनतम कोहरे के कारण सौर अवलोकन के लिए आदर्श स्थल के रूप में चुना गया।
 - वैज्ञानिक योगदान:** जनवरी 1909 में, 'एवरशेड प्रभाव' (सूर्य के धब्बों में रेडियल गैस प्रवाह या पेनम्ब्रा) की खोज यहीं पर हुई — जो सौर भौतिकी में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।
- रायन की बावली:** भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) ने नई दिल्ली के महरौली परातात्त्विक पार्क में स्थित 16वीं शताब्दी की बावली 'रायन की बावली' के पुनर्निर्माण का कार्य पूरा कर लिया है। यह परियोजना वर्ल्ड मोन्यूमेंट्स फंड इंडिया (WMFI) और TCS फाउंडेशन के सहयोग से 'हिस्टोरिक वाटर सिस्टम्स ऑफ इंडिया' पहल के तहत की गई।
 - रायन की बावली के बारे में:** यह एक बावली है जिसमें एक मस्जिद और एक मकबरा भी शामिल है, जो एक ही परिसर में स्थित हैं।
 - इसका निर्माण 1506 ईस्वी के आसपास दौलत खान लोदी के शासनकाल में हुआ।
 - रायन की बावली** नाम 'रैबिर' या 'मिस्ती' शब्द से उत्पन्न हुआ है, जिसका अर्थ है 'राजमिस्ती या कारीगर। 20वीं शताब्दी की शुरुआत में, जब राजमिस्ती इस क्षेत्र में स्थायी रूप से बसने लगे, तब इस बावली को यह नाम मिला।



- 3. ऑपरेशन AAHT:** हाल ही में, रेलवे सुरक्षा बल (RPF) ने रक्सौल रेलवे स्टेशन पर सत्याग्रह एक्सप्रेस में मानव तस्करी के संदेह में चार नाबालिंग लड़कियों को बचाया। यह कार्रवाई ऑपरेशन AAHT (Action Against Human Trafficking) के अंतर्गत की गई।
- **ऑपरेशन AAHT के बारे में:** भारतीय रेलवे नेटवर्क में मानव तस्करी को रोकने के उद्देश्य से रेलवे सुरक्षा बल (RPF) द्वारा शुरू किया गया विशेष अभियान।
 - भारतीय रेलवे में मानव तस्करी विरोधी इकाइयों (AHTUs) की स्थापना।
 - महिलाओं के लिए राष्ट्रीय आयोग के साथ साझेदारी की गई ताकि समन्वय और पीड़ित सहायता को बेहतर बनाया जा सके।
 - पीड़ितों, मार्गों और तस्करों के बारे में जानकारी एकत्रित करने और कानून प्रवर्तन के साथ साझा करने के लिए आधारभूत संरचना और खुफिया जानकारी का उपयोग किया गया।
 - साइबर सेल और नेटवर्क कार्यालयों पर तस्करी गतिविधियों की निगरानी करती हैं।
 - नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार से लगने वाले सीमावर्ती जिलों से गुजरने वाली ट्रेनों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया ताकि सीमा पार तस्करी को रोका जा सके।
 - **वित्तीय वर्ष 2024-25 में उपलब्धियां:** 929 पीड़ितों को बचाया गया और 274 तस्करों को गिरफ्तार किया गया।
- 4. राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी:** सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) ने 'राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी - 2025' रिपोर्ट जारी की है, जिसमें भारत की राष्ट्रीय आय, उत्पादन और व्यय संबंधी विस्तृत डेटा प्रदान किया गया है।
- **मुख्य विशेषताएं:**
 - **अद्यतन अनुमान:** वित्तीय वर्ष 2022-23 के अंतिम अनुमान और वित्तीय वर्ष 2023-24 के पहले संशोधित अनुमान जारी किए गए हैं, जिनमें अद्यतन प्रशासनिक और सर्वेक्षण डेटा के साथ 2011-12 से ऐतिहासिक श्रृंखला शामिल है।
 - **विस्तृत आर्थिक संकेतक:** यह रिपोर्ट GDP, GVA, उपभोग, बचत, पूँजी निर्माण और अन्य व्यापक आर्थिक डेटा को चालू और स्थिर (2011-12) मूल्यों पर प्रदान करती है।
 - **क्षेत्रीय अंतर्दृष्टि:** कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्रों का गहन विश्लेषण किया गया है ताकि क्षेत्र-वार वृद्धि और योगदान को समझा जा सके।

- **विस्तृत डेटा:** घेरलू, कॉर्पोरेट और सरकारी क्षेत्रों के लिए उपभोग, बचत और पूँजी निर्माण डेटा का विस्तृत विवरण।
 - **पद्धति:** अनुमानों में अंतरराष्ट्रीय तुलनीयता और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के राष्ट्रीय खातों की प्रणाली (SNA) के दिशा-निर्देशों का पालन किया गया है।
- 5. खाद्य संकट पर वैश्विक रिपोर्ट (GRFC):** हाल ही में, ग्लोबल नेटवर्क अर्गेस्ट फूड क्राइसिस (GNAFC) द्वारा प्रकाशित खाद्य संकट पर वैश्विक रिपोर्ट 2025 (GRFC) के अनुसार, 2024 में 53 देशों और क्षेत्रों में लगभग 300 मिलियन लोगों ने तीव्र खाद्य असुरक्षा का सामना किया, जो 2023 से 13.7 मिलियन की वृद्धि है।
- **मुख्य निष्कर्ष:** 295 मिलियन लोग (मूल्यांकन किए गए जनसंख्या का 23%) ने 2024 में तीव्र खाद्य असुरक्षा का सामना किया, जो लगातार छठा वार्षिक वृद्धि है।
 - 1.9 मिलियन लोगों ने विनाशकारी भुखमरी (IPC/CH चरण 5) का सामना किया और सूडान में अकाल की पुष्टि हई, जिसमें गाजा, हैर्टी, दक्षिण सूडान और माली प्रमुख केंद्र रहे।
 - पांच वर्ष से कम आयु के 38 मिलियन बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित थे, जिनमें गाजा, माली, सूडान और यमन में गंभीर मामले थे।
 - वैश्विक स्तर पर 128 मिलियन लोगों में से 95 मिलियन लोग जबरन विस्थापित होकर खाद्य असुरक्षित देशों में रहते हैं।
 - **GNAFC के बारे में:** GNAFC एक बहुपक्षीय पहल है जिसे 2016 में यूरोपीय संघ, FAO और WFP द्वारा संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख संगठनों, USAID और विभिन्न गैर-सरकारी भागीदारों के सहयोग से शुरू किया गया था।
 - इसका उद्देश्य खाद्य संकट को रोकना, उसके लिए तैयारी करना और उस पर प्रतिक्रिया देना है, जिसमें SDG 2 — शून्य भुखमरी का लक्ष्य शामिल है।
 - इसे वैश्विक खाद्य असुरक्षा की बढ़ती चुनौती के जवाब में स्थापित किया गया, जो संघर्ष, आर्थिक झटकों, जलवायु संकट और विस्थापन से प्रेरित होती है।
- 6. पूर्वव्यापी पर्यावरणीय स्वीकृतियाँ:** हाल ही में, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने यह निर्णय दिया कि पूर्वव्यापी पर्यावरणीय स्वीकृतियाँ अवैध हैं।
- न्यायालय ने 2021 और 2022 के कार्यालय ज्ञापनों को रद्द कर दिया, जो बिना अनिवार्य स्वीकृतियों के शुरू किए गए औद्योगिक और खनन परियोजनाओं के लिए पश्च-तिथि स्वीकृति की अनुमति देते थे।

- **न्यायिक तर्क और प्रभाव:** किसी भी परियोजना गतिविधि को शुरू करने से पहले पर्यावरण स्वीकृतियां (ECs) प्राप्त करना अनिवार्य है।
 - पिछली तिथि में दी गई स्वीकृतियां अवैध परियोजनाओं को वैध बना देती हैं और पर्यावरण कानूनों को कमज़ोर करती हैं।
 - न्यायालय ने 2021 के उस ज्ञापन को रद्द कर दिया, जिसमें ऐसी पिछली तिथि में स्वीकृतियों की अनुमति दी गई थी।
 - पर्व स्वीकृति (EC) अनिवार्य है, जिसमें उचित पर्यावरणीय प्रभाव आकलन और सार्वजनिक परामर्श शामिल होना चाहिए।
 - आर्थिक विकास के लिए पर्यावरण संरक्षण से समझौता नहीं किया जा सकता।
 - सरकार का कर्तव्य है कि वह पर्यावरण की रक्षा करे, न कि उल्लंघनकर्ताओं को संरक्षण दे।
- 7. **मरांग बुरु/पारसनाथ पर्वत:** हाल ही में, झारखंड उच्च न्यायालय ने राज्य को संथाल आदिवासी और जैन समुदायों के लिए पवित्र इस पर्वत पर मांस, शराब और नशीले पदार्थों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है।
- **मरांग बुरु/पारसनाथ पर्वत के बारे में:** झारखंड की सबसे ऊँची चोटी (1,365 मीटर), जो पारसनाथ वन्यजीव अभ्यारण्य का हिस्सा है।
 - **जैन महत्व:** इसे सम्मेद शिखरर्जी के नाम से जाना जाता है, जहाँ 24 में से 20 तीर्थकरों ने मोक्ष प्राप्त किया। यहाँ 40 से अधिक जैन मंदिर स्थित हैं।
 - **संथाल मान्यता:** इसे मरांग बुरु (महान पर्वत) के रूप में पूजा जाता है, जो उनकी सर्वोच्च देवी-देवता और सोहाराय त्योहार के दौरान प्रमुख उपासना स्थल है।
 - **सामाजिक भूमिका:** पवित्र उपवन संताल संस्कृति के केंद्र में हैं और यह पहाड़ी जनजातीय विवाद समाधान के लिए लो बीर बैसी परिषद की मेजबानी करती है।
 - **ऐतिहासिक भूमिका:** यह 1855 के संताल हुल विद्रोह का प्रारंभिक स्थल था, जिसे ब्रिटिश शासन के खिलाफ शुरू किया गया था।
- 8. **शिंगल्ट्स वैक्सीन:** हालिया अध्ययनों में शिंगल्ट्स वैक्सीन के संक्रमण रोकथाम से परे अतिरिक्त लाभों को उजागर किया गया है।
 - **दक्षिण कोरिया** के एक शोध में इसे हृदय रोग के जोखिम को 23% तक कम करने से जोड़ा गया है, जबकि वेल्श अध्ययन में यह सुझाव दिया गया है कि यह डिमोशिया के जोखिम को भी कम कर सकता है।

- **शिंगल्स के बारे में:** शिंगल्स का कारण वेरिसेला-जॉस्टर वायरस (VZV) होता है, जो वही वायरस है जो चिकनपॉक्स का कारण बनता है।
 - **लक्षण:** शरीर के एक तरफ एक दर्दनाक, खुजलीदार चकत्ते के रूप में प्रकट होता है, जो अक्सर पट्टी या धारी के रूप में होता है। यह पोस्टहरपेटिक न्यूरालिज्या (लगातार रहने वाला तंत्रिका दर्द) जैसी जटिलताओं का कारण बन सकता है।
 - **जोखिम:** चिकनपॉक्स संक्रमण के बाद, वायरस निष्क्रिय अवस्था में बना रहता है और बाद में शिंगल्स के रूप में पुनः सक्रिय हो सकता है।
 - **वैक्सीन:** Zostavax - एक लाइव-अटेन्युएटेड वैक्सीन, जिसका उपयोग वैल्श अध्ययन में शिंगल्स टीकाकरण और डिमेशिया के जोखिम में कमी के बीच संबंधों का पता लगाने के लिए किया गया।
 - **Shingrix:** एक रिकॉम्बिनेट वैक्सीन, जिसे अधिक व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। 2024 के ऑक्सफोर्ड अध्ययन में पाया गया कि अमेरिका में टीकाकृत व्यक्तियों में छह वर्षों के दौरान डिमेशिया के जोखिम में 17% की कमी देखी गई।
- **डिमेशिया के बारे में:** यह एक सामान्य शब्द है, जो स्मरण शक्ति, सोचने की क्षमता और दैनिक कार्यक्षमता में गिरावट को संदर्भित करता है।
 - **लक्षण:** स्मरण शक्ति में कमी, व्यवहार में परिवर्तन और दैनिक कार्यों को करने की क्षमता में कमी।
- **सामान्य प्रकार:**
 - **अल्जाइमर रोग:** सबसे सामान्य, जिसमें स्मृति और संज्ञानात्मक क्षमता में क्रमिक गिरावट होती है।
 - **वैस्क्युलर डिमेशिया:** मस्तिष्क में रक्त प्रवाह की समस्याओं के कारण उत्पन्न होता है।
 - **मिक्स्ड डिमेशिया:** विभिन्न प्रकार के डिमेशिया का संयोजन।
 - **अन्य कारण:** थायरॉइड विकार या विटामिन की कमी जैसी स्थितियाँ डिमेशिया के लक्षण उत्पन्न कर सकती हैं, लेकिन ये उपचार योग्य होते हैं।